क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक ओवर फेंकने वाले शीर्ष दो गेंदबाज है मुरलीधरन और कुंबले

कोलंबो

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम गेंदबाजी में कई रिकार्ड है। इन्हीं में एक सबसे अधिक ओवर फैंकने का रिकार्ड भी मुरलीधरन के नाम है। वहीं भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले का नाम दूसरे स्थान पर है।

मुरलीधरन ने अपने 1992 से 2010 तक के करियर में कुल 133 टेस्ट मैचों में 7339.5 ओवर गेंदबाजी की। इन ओवरों में उन्होंने 800 टेस्ट विकेट लिए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं, और उनका गेंदबाजी औसत 22.73 रहा। उनके ठीक बाद, भारत के कुंबले ने 1990 से 2008 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 6808.2 ओवर फेंके। कुंबले ने अपने दमदार करियर में 619 विकेट हासिल किए और उनका औसत 29.65 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है।

इस विशेष सूची में आस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वार्न भी तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 1992 से 2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 6784.1 ओवर डाले और 708 विकेट झटके। उनके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी के दिग्गज जेम्स एंडरसन का नाम आता है, जिन्होंने 2003 से लेकर अब तक 188 टेस्ट मैचों में 6672.5 ओवर फेंके हैं। एंडरसन ने इस दौरान 704 विकेट लिए हैं।

आस्ट्रेलिया के आफ स्पिनर नाथन लियोन भी इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं, जिन्होंने 2011 से अब तक 143 टेस्ट मैचों में 5853.1 ओवर फेंके हैं और 571 विकेट अपने नाम किए हैं। लियोन भी एंडरसन की तरह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में सक्रिय हैं। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड ने अपने 167 टेस्ट मैचों के करियर (2007-2023) में 5616.2 ओवर फेंके और 604 विकेट लिए। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वाल्श ने भी 1984 से 2001 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 5003.1 ओवर डालकर 519 विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी। ये सभी आंकड़े दर्शाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में लंबी अवधि तक सफल रहने के लिए न केवल कौशल बल्कि अविश्वसनीय शारीरिक और मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलों से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन टाप्स विकास योजना में शामिल

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय टेबल टेनिस की युवा प्रतिभा सिंड्रेला दास को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टाप्स) की विकास योजना में शामिल किया गया है। कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सिंड्रेला के अलावा पुरुष युगल खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्य भी टाप्स विकास योजना का हिस्सा हैं। सिंड्रेला ने इस साल थाईलैंड में आयोजित एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत और एकल में कांस्य पदक जीता था। उनके इन प्रदर्शन के बाद उन्हें टाप्स की विकास श्रेणी में शामिल किया गया। इससे पहले 2023 में उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 एकल में राष्ट्रीय रैंकिंग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। टाप्स ने इस साल टेबल टेनिस में 14 से 17 वर्ष की उम्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह तैयार किया था। सिंड्रेला भी इस समूह का हिस्सा थीं। इस पहल का उद्देश्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की युवा प्रतिभाओं को तैयार करना है। एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टेबल टेनिस टीम में सिंड्रेला दास, श्रीजा अकुला, दिया चिताले, यशस्विनी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी, साथियान, मनुश शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं।

गावस्कर ने पिच को लेकर आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आस्ट्रेलिया में खेल गये क्रिकेट टेस्ट के केवल दो दिनों में ही समाप्त होने पर सवाल उठाये हैं। गावस्कर ने इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर भी निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट में पिचों के मूल्यांकन को लेकर दोहरा मापदंड अपनाया जा रह है। साथ ही कहा कि यदि ऐसा ही कोई मुकाबला भारत में इतनी जल्दी समाप्त होता, तो आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सबसे पहले भारतीय पिचों की तीखी आलोचना करते पर आस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर कोई कुछ नहीं कह रहा है। गावस्कर के अनुसार पिछले कुछ साल में आस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैच दो दिन के भीतर खत्म हुए हैं, जिसमें पिछले साल की एशेज सीरीज के पर्थ और मेलबर्न टेस्ट भी शामिल हैं। इसके बाद भी इन तेज और अतिरिक्त उछाल वाली पिचों की कभी आलोचना नहीं की गई। वहीं अगर ऐसा भारतीय पिचों पर होता तो कई प्रकार की बातें होने लगतीं। गावस्कर के अनुसार, भारतीय पिचों पर मैच जल्दी खत्म होने पर तुरंत पिच की गुणवत्ता पर बहस छिड़ जाती है, जबकि आस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर खराब मौसम आदि का हवाला दे दिया जाता है। गावस्कर ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के बाद आस्ट्रेलिया द्वारा तेज और उछाल वाली पिच तैयार करने पर कोई हैरानी नहीं जताई।

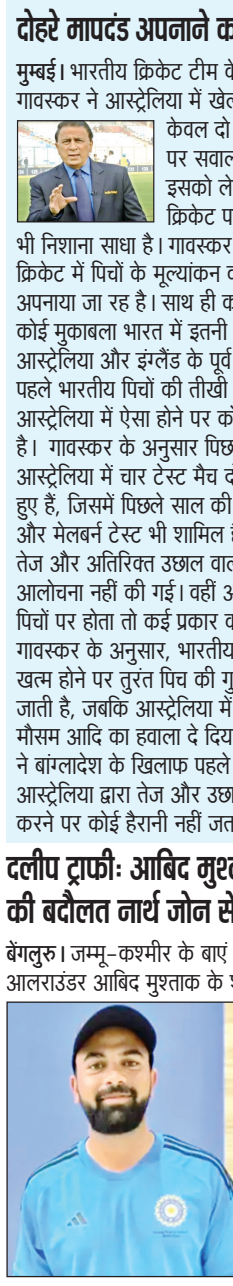

दलीप ट्राफी: आबिद मुश्ताक के नौ विकेट की बदौलत नार्थ जोन सेमीफाइनल में

बेंगलुरु। जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन आलराउंडर आबिद मुश्ताक के शानदार नौ विकेट की बदौलत नार्थ जोन ने दलीप ट्राफी क्वार्टर फाइनल में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। लाल मिट्टी की पिच पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और पूरे मुकाबले में 25 विकेट स्पिनरों ने हासिल किए। आबिद मुश्ताक ने दोनों पारियों में कुल 9 विकेट लेकर नार्थ जोन की जीत में अहम भूमिका निभाई। अंतिम दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 67 रन और नार्थ जोन को तीन विकेट की जरूरत थी। मुश्ताक और निशांत सिंधु ने महज 6.3 ओवर में वेस्ट जोन की पारी समेट दी। चौथे दिन मुश्ताक ने मुशीर खान और रुतुराज गायकवाड़ की शतकीय साझेदारी के बाद वेस्ट जोन को झटका दिया था। अंतिम दिन उन्होंने तनुश कोटियन को बोल्ड कर शुरुआत की। इसके बाद तुषार देशपांडे को स्लिप में अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके तीन गेंद बाद निशांत सिंधु ने उर्विल पटेल को 25 रन पर एलबीडब्ल्यू कर वेस्ट जोन की पारी का अंत कर दिया। नार्थ जोन की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद गेंद से भी प्रभाव छोड़ा और शम्स मुलानी तथा कोटियन के विकेट हासिल किए। नार्थ जोन ने पहली पारी में 251 और दूसरी पारी में 222 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 और 234 रन ही बना सकी। नार्थ जोन सेमीफाइनल में तिलक वर्मा की कप्तानी वाले साउथ जोन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल ईस्ट जोन और गत चैंपियन सेंट्रल जोन के बीच होगा।

3 अक्टूबर से शुरु होगी वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग

सिडनी

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग क्रिकेट (डब्लयूसीएल) का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर गुजरे जमाने के दिग्गज बल्लेबाजों का आक्रामक खेल देखने को मिलेगा। चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग से कई पूर्व क्रिकेटरों को एक मंच मिलता है। इस बार बांग्लादेश के महमुदुल्लाह रियाद जैसे खिलाड़ी भी इस लीग में शामिल होंगे।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स का यह तीसरा सत्र है। लीग के पहले सत्र में इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता था। वहीं, दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर ट्राफी जीती थी। इस बार टूर्नामेंट में बांग्लादेश चैंपियंस को भी शामिल किया गया है, जिससे टूर्नामेंट में नई टीमों और खिलाड़ियों का प्रवेश होगा होगा और प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ने की उम्मीद है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स की ओर से कहा गया है कि दो सफल सत्र के बाद, लीग का तीसरा सत्र अधिक रोमांचक रहने की उम्मीद है। ये सत्र प्रशंसकों को एक अभूतपूर्व अनुभव देने का वादा करता है, जहां क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर अपने पुराने और आकर्षक अंदाज में नजर आएंगे। लीग का लक्ष्य रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को एक मंच देना है, जिससे वे खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख सकें और प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। लीग के सीईओ हर्षित तोमर ने आगामी सीजन को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, सीजन 3 बहुत खास होने वाला है। इस सत्र का आयोजन इंग्लैंड से बाहर होगा। इस सत्र में क्रिकेट के सबसे बड़े नाम और ऐसे स्टार्स को लेकर आएंगे जिनके बारे में प्रशंसक सोच सकते हैं।

टेस्ट क्रिकेट में जिम्बाब्वे के फ्लावर के नाम है सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड

हरारे। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एंडी फ्लावर के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो अब तक कोई भी नहीं तोड़ पाया है। फ्लावर ने टेस्ट क्रिकेट में ये रिकार्ड 26 साल पहले बनाया था। फ्लावर ने साल 2000 में नागपुर में भारत के खिलाफ 444 गेंदों पर नाबाद 232 रन बनाए थे। फ्लावर ने अपनी उस पारी में 30 चौके और 2 छक्के लगाये थे। उन्होंने करीब 544 मिनट बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था। संगाकारा ने अपनी पारी में 327 गेंदें खेलीं और 33 चौके तथा 3 छक्के लगाए। उनकी यह पारी न सिर्फ सर्वाधिक रन बनाने वाली रही, बल्कि धैर्य, एकाग्रता और लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहने का अद्भुत उदाहरण भी पेश करती है। इस रिकार्ड को तोड़ने के सबसे करीब श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगाकारा पहुंचे थे। उन्होंने साल 2002 में पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में 230 रनों की शानदार पारी खेली थी पर वह मात्र तीन रन से एंडी फ्लावर के विश्व रिकार्ड को तोड़ नहीं पाये थे वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर महेन्द्र सिंह धोनी भी एक बार इस आंकड़े के बेहद करीब पहुंचे थे पर रिकार्ड नहीं तोड़ पाये। उन्होंने साल 2013 में चेन्नई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 224 रन बनाए थे, जो किसी विकेटकीपर-बल्लेबाज द्वारा तीसरी सबसे बड़ी पारी है। वहीं आस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट, ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में 2002 में नाबाद 204 रन बनाये थे। गिलक्रिस्ट ने यह पारी केवल 213 गेंदों में खेली थी, जिससे उनकी आक्रामक पारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 219 रन बनाये थे। इस प्रकार साल 2000 से लेकर अब तक, टेस्ट क्रिकेट में कई बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज आए और उन्होंने यादगार पारियां खेलीं पर कोई भी फ्लावर का रिकार्ड नहीं तोड़ पाया। इसी कारण फ्लावर की भारत के खिलाफ खेली गई नाबाद 232 रनों की पारी आज भी टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर-बल्लेबाज द्वारा सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का अटूट रिकार्ड बनी हुई है, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और धैर्य का बेजोड़ प्रमाण है।

अमेरिकी ओपन: अल्कराज-विलियम्स बाहर, मोनफिस-स्वितोलिना सेमीफाइनल में

न्यूयार्क

सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्कराज ने जोड़ी के रूप में अमेरिकी ओपन 2026 मिश्रित युगल में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की, लेकिन अगले मुकाबले में बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

विलियम्स और अल्कराज ने अपने पहले मुकाबले में एरिन राउटलिफ और लायड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। यह 2022 के बाद अमेरिकी ओपन में सेरेना का पहला मुकाबला था। जीत के बाद सेरेना ने कहा कि कोर्ट पर लौटना उनके लिए बेहद खास पल था।

हालांकि, इसके बाद बेनसिच और कोबोली के खिलाफ मुकाबले में उन्हें 5-4 (4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट का टाईब्रेक गंवाने के बाद अल्कराज और विलियम्स की जोड़ी अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी।

बेनसिच और कोबोली अब सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी एलीना स्वितोलिना और गेल मोनफिस से भिड़ेंगे। स्वितोलिना और मोनफिस ने कतेरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3), 10-8 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

सिनियाकोवा और पैटन ने इससे पहले शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका और नोवाक जोकोविच की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। दूसरे सेमीफाइनल में मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रे रूबलेव का सामना कैरोलिना मुचोवा और याकुब मेनसिक से होगा। आंद्रेयेवा और रूबलेव ने गत चैंपियन सारा इरानी और आंद्रेआ वावासोरी के अलावा डायना श्नाइडर और कैस्पर रूड को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है।

ब्रूनो फर्नांडिस और खदीजा शा बने पीएफए प्लेयर आफ द ईयर

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खदीजा शा को पुरुष और महिला वर्ग में प्रोफेशनल फुटबालर्स एसोसिएशन (पीएफए) प्लेयर आफ द ईयर चुना गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान फर्नांडिस ने पिछले सत्र में नौ गोल किए और रिकार्ड 21 असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन की बदौलत यूनाइटेड ने शीर्ष लीग में तीसरा स्थान हासिल किया। वह यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे पुर्तगाली खिलाड़ी हैं। उनसे पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह सम्मान हासिल कर चुके हैं। जमैका की स्ट्राइकर खदीजा शा ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले उन्हें 2024 में भी पीएफए प्लेयर आफ द ईयर चुना गया था। पिछले सत्र में उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए 21 गोल किए। मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर निको ओराइली को यंग प्लेयर आफ द ईयर चुना गया। उन्होंने 2026 फीफा विश्व कप में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, आर्सेनल की 22 वर्षीय स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ग में यंग प्लेयर आफ द ईयर का पुरस्कार जीता।

एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर मीराबाई का फोकस हर सप्ताह लेती हैं अमेरिकी विशेषज्ञ से सलाह

नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डा. आरोन हार्शिग से हर सप्ताह वीडियो काल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं।

मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, हर गुरुवार को वीडियो काल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डा. हार्शिग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।

मीराबाई और हार्शिग का साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया।

मीराबाई ने कहा, मैं सीधे मोदीनगर लौटकर प्रशिक्षण में लग गई। मैं घर, मणिपुर भी नहीं गई।

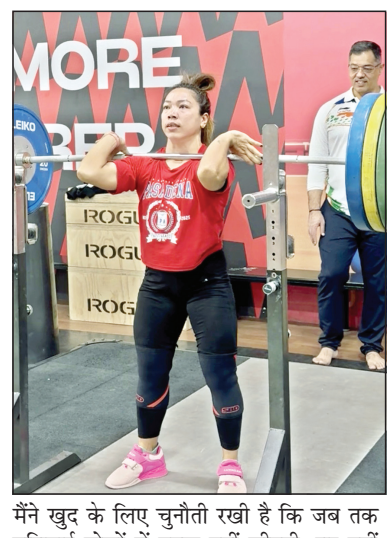

मैंने खुद के लिए चुनौती रखी है कि जब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीतती, घर नहीं जाऊंगी। एशियाई खेलों का पदक मीराबाई के शानदार करियर में अब तक अधूरा अध्याय है। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत चुकी हैं। हालांकि चोट के कारण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों से बाहर रही थीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में कूल्हे और जांघ की चोट के कारण चौथे स्थान पर रही थीं।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाया तथा तीनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों के रिकार्ड बनाए।

हालांकि मीराबाई ग्लासगो में प्रतिस्पर्धा के स्तर को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो राष्ट्रमंडल खेलों की प्रतियोगिता मेरे लिए बहुत कठिन नहीं थी। असली परीक्षा आगे है।

मीराबाई के अनुसार एशियाई खेलों में चीन, उत्तर कोरिया, जापान और थाईलैंड की भारोत्तोलकों से सबसे कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। पेरिस ओलंपिक में भी थाईलैंड की सुरोदचना खंबाओ ने उन्हें केवल एक किग्रा के अंतर से पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक जीता था।

मीराबाई का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है, जो उन्होंने 2021 एशियाई चैंपियनशिप और फरवरी, 2026 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हासिल किया था। उन्होंने कहा कि वह जापान में देखना चाहती हैं कि वह कितना आगे जा सकती हैं।

पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगे

नई दिल्ली

भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले माह की शुरुआत में होने वाले चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु के अलावा पुरुष एकल खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। चाइना ओपन अगले माह 1 सितंबर से शुरू हो रहा है। एशियाई खेलों से पहले बीडब्लयएफ विश्व टूर का यह एकमात्र बड़ा इवेंट है, जिसका आकर्षण इन खिलाड़ियों के नहीं होने से कम होगा।

हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पहले ही दौर में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शी युकी को हैरानर कर दिया था। हालांकि, वह राउंड आफ 16 में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हार गए थे। वहीं सिंधु भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में

राउंड आफ 16 तक पहुंची थीं पर चीन की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी वांग झी यी से उन्हें कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। माना जा रहा है कि उस मैच से उन्हें जो थकान हुई है। उसी कारण वह चायना ओपन नहीं खेल रही है।

पुरुष एकल में आयुष के हटने के बाद अब लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत भारत की आर से उतरेंगे। लक्ष्य ने विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां वह दूसरे दौर में अमेरिका के दुनिया के नंबर 92 खिलाड़ी गैरेट टैन से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। दूसरी ओर महिला एकल में मालविका बंसोद और आकर्षी कश्यप भी नहीं उतरेंगी। ऐसे में अब उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग और तन्वी शर्मा भारत की ओर से पदक दावेदार रहेंगी।

पुरुष युगल में विश्व चैंपियनशिप में चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वे राउंड आफ 16 में अंतत: चैंपियन बने चीन के लियांग वेइकेन्ग और वांग चांग से हार गए थे। उनके साथ हरिहरन अमासुकरन और अर्जुन एमआर भी भारतीय दल में शामिल हैं। महिला युगल में भारत की कोई जोड़ी नहीं होगी, क्योंकि भारत की ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

एशियाड : अब सपोर्ट स्टाफ पर खींचतान! पहलवानों के साथ क्यों नहीं विदेशी कोच साई ने 18 खेल संघों से मांगा जवाब

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के लिए खिलाड़ियों की छटनी के बाद अब साई और राष्ट्रीय खेल महासंघों के बीच कोच और सपोर्ट स्टाफ के लिए खीचतान शुरू हो गई है। साई ने 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेने वाले 492 सदस्यीय भारतीय दल के साथ सपोर्ट स्टाफ भेजने के लिए जवाब-तलबी शुरू कर दी है। साई ने एशियाड में खेलने जा रहे 35 में से 18 खेल संघों से सपोर्ट स्टाफ के चयन को लेकर जवाब मांग लिया है। खेल संघों के जवाब के आधार पर ही एशियाई खेलों के सपोर्ट स्टाफ की अंतिम सूची तय होगी। साई ने महिला हाकी टीम, शूटिंग, कबड्डी, स्क्वैश, रोइंग, कुश्ती टीम के साथ मसाजर (मैस्योर या मैस्यूजी) की तैनाती नहीं करने पर जवाब मांगा साथ ही कुश्ती टीम के साथ हाल ही में तीन विदेशी प्रशिक्षकों की तैनाती की गई है, लेकिन बतौर कोच उन्हें नहीं एशियाड नहीं भेजा जा रहा है। साई तीनों विदेशी प्रशिक्षकों को एशियाड में बतौर अतिरिक्त टीम आफिशियल भेजना चाहता है। यही नहीं आठ सदस्यीय सदस्यीय घुड़सवारी टीम के तीन सदस्यों के साथ घोड़ों की देखभाल करने वाले ग्रूम को नहीं भेजने पर भी जवाब मांगा गया है।